



प्रचलन-प्रदर्शक



सैनिकों को शांतिदूत के रूप में बदलना

त्रैमासिक संवाद पत्र, प्रशिक्षण महानिदेशालय, के.रि.पु.बल, अंक 26, अक्टूबर - दिसम्बर, 2020



दुत कार्य बल ने 28वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नित्यानंद राय, गृहराज्य मंत्री उपस्थित हुए।



भारतीय संसद पर हमले की वर्षगांठ पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला ने एक पुस्तक "द शौर्य अनबाउंड - केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की वीरता की कहानियां" का विमोचन किया। इस पुस्तक को श्रीमती नीतू डी. भट्टाचार्य, उप महानिरीक्षक, श्री एम. दिनाकरन, उप महानिरीक्षक, केरिपुबल, श्री अमित, सहायक कमांडेंट, तथा निरीक्षक दीपक सक्सेना, केरिपुबल द्वारा सह-लेखक किया गया है। इस पुस्तक में सर्वोच्च पदक विजेता अशोक चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र तथा गैलेंट्री पदक प्राप्त करने वालों की कहानी से संगृहीत है।

संपादकीय समिति

मुख्य संरक्षक

श्री संजय चंद्र, भा.पु.से.
अतिरिक्त महानिदेशक (प्रशि.) के.रि.पु.बल

संरक्षक

श्री राकेश कुमार यादव
महानिरीक्षक (प्रशि.) के.रि.पु.बल

मुख्य संपादक

श्री अरुण कुमार
निदेशक/महानिरीक्षक
आं.सु.अ., माउन्ट आबू

श्री के. थोमस जोब
उप महानिरीक्षक (प्रशि./प्रशा.), आं.सु.अ.

परिकल्पना एवं चित्रालेख

श्री के.के. पाण्डेय, कमांडेंट (प्रशि.) आ.सु.अ.
श्री गीतांशु मेहता, सहा.कमा. (आर एण्ड डी)
आं.सु.अ.

श्री पवन कुमार, उप कमा.
(आर एण्ड डी) आं.सु.अ.
निरी./जीडी- प्रेमा राम
आं.सु.अ., माउन्ट आबू

प्रकाशक

आंतरिक सुरक्षा अकादमी,
के.रि.पु.बल, माउन्ट आबू
ईमेल : dcradisa@crpf.gov.in
फोन/फैक्स : 02974-298268



प्रशिक्षण महानिदेशालय की तरफ से, मैं "संवाद-पत्र" के 26वें अंक के प्रकाशन के लिए समय पर प्रतिक्रिया और सहयोग देने के लिए प्रशिक्षण संस्थानों के सभी अधिकारियों और कर्मियों के प्रति दिल से धन्यवाद और कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

- जय हिन्द -
अरुण कुमार
निदेशक / महानिरीक्षक,
आं.सु.अ., माउन्ट आबू

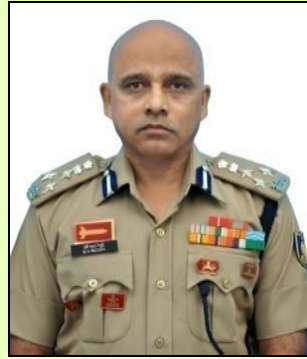
अनुक्रमणिका

1.	संस्थान एक नजर में	3
2.	विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से समाचार	4 - 5
3.	पुलिस स्मरण दिवस, राष्ट्रीय एकता दिवस और अन्य गतिविधियां	6
4.	सर्वोत्तम अभ्यास	7- 8

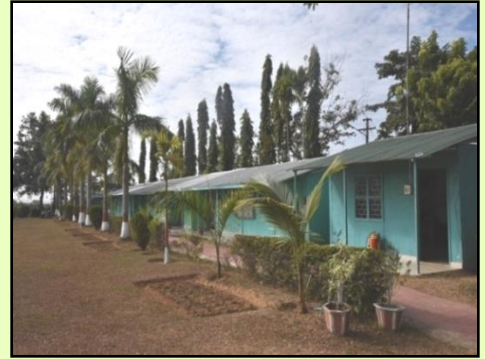
संस्थान एक नजर में – सीआईएटी स्कूल, सिलचर (असम)



क्वार्टर गार्ड



ब्रिगेडियर जी.एस. रेड्डी. एस.एम. (से.नि.)
उप महानिरीक्षक/ प्राचार्य
सीआईएटी स्कूल, सिलचर



प्रशासनिक भवन

सीआईएटी स्कूल, सिलचर (असम) का संक्षिप्त इतिहास

स्थान / संगठन और भूमिका

आतंकवाद विरोधी स्कूल, सिलचर (असम) 23 फरवरी, 2005 का अस्तित्व में आया। यह संस्थान असम के सिलचर, सुंदर सुरम्य चाय बागानों से घिरे छोटे पहाड़ों के विशाल समूह में कुल 198,34 एकड़ भूमि में स्थित है। सीआईटी स्कूल उत्तर-पूर्व की चुनौतियों का सामना करने के लिए बल के कर्मियों तथा उनके साहस और समर्पण के उच्च स्तर को विकसित करने का प्रयास करता है। इस संस्थान का मोटो है:- “ज्ञान आत्मविश्वास प्रहार”

सीआईटी स्कूल पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 35 बटालियनों के कर्मिकों को क्यूआईटी, सीआईटी प्रशिक्षण, तथा पूर्वोत्तर में स्थानान्तरण पर आये नए कर्मिकों को पीआईटी प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है, वर्ष 2009, 2010 एवं 2011 में कोबरा वाहिनी को इस संस्थान द्वारा प्रशिक्षण दिया गया था।

वर्ष 2020 के दौरान इस संस्थान ने सीआईटी कोर्स के 02 बैच, पी.आई. प्रशिक्षण के 01 बैच, एएसआईपीटी कोर्स 01, एचसीपीटी कोर्स 01 कुल 05 कोर्स का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करवाया गया, एवं वर्तमान में एचसीपीटी कोर्स क्रम संख्या 29 का दूसरा चरण दिनांक 16/11/2020 से 12/01/2021 तक चलाया जा रहा है। आज तक इस संस्थान ने कुल 22,241 कर्मियों को प्रशिक्षण दिया है, वर्ष 2010 और 2011 में संस्थान को “प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ नवाचार” ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।

प्रशिक्षण संरचना



बीओसी अभ्यास



हस्तचाल अभ्यास



चांदमारी अभ्यास



वृक्षारोपण अभियान



वाल क्लाइम्बिंग अभ्यास



स्लाइडिंग अभ्यास

“एक विजेता एक सपने देखने वाला है, जो कभी हार नहीं मानता।”

- नेल्सन मंडेला

विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से समाचार

आंसुअ, माउंट आबू



स्टाफ अधिकारी पाठ्यक्रम क्र. सं. 14 (ऑनलाइन) दिनांक 02 नवंबर से 07 नवंबर 2020 तक आयोजित किया गया था। श्री अरुण कुमार, निदेशक / महानिरीक्षक, आंसुअ., माउंट आबू ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया तथा उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों को एक अच्छे स्टाफ अधिकारी के गुणों के बारे में बताया।

सीटीसी, नीमच



श्री भूपत सिंह चौहान, महानिरीक्षक / प्राचार्य, केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, नीमच द्वारा यू0ए0सी0 मास्टर कोर्स क्र.सं. 01 के प्रशिक्षुओं को प्रमाण -पत्र प्रदान किया गया।

सीटीसी, मुदखेड़



निरीक्षक(मंत्रालय) से सहायक कमांडेंट(मंत्रालय) पदोन्नति पाठ्यक्रम क्र.सं. - 08 का समापन समारोह डॉ. टी. शेखर, महानिरीक्षक / प्राचार्य की अध्यक्षता में सीटीसी, केरिपुबल, मुदखेड़ में दिनांक 23/11/2020 से 07/12/2020 तक आयोजित किया गया। जिसमें 03 निरीक्षक(मंत्रालय) ने भाग लिया और कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा किया।

सीआईएटी स्कूल, शिवपुरी



श्री मूलचंद पंवार, पीएमजी, महानिरीक्षक / प्राचार्य, सीआईएटी, स्कूल, शिवपुरी, एच0सी0पी0सी0 पाठ्यक्रम क्र. सं. - 29 की हल्के हथियारों की चांदमारी अभ्यास का निरीक्षण करते हुए।

आरटीसी, श्रीनगर



डॉ0 ए0 पी0 माहेश्वरी, भापुसे, महानिदेशक, केरिपुबल ने आरटीसी, श्रीनगर का दौरा किया और घाटी आधारित बटालियनों के अधिकारियों को जानकारी दी।

आरटीसी, जोधपुर



13 नवआरक्षी प्रशिक्षण बैच (188 स्पोर्ट्स जवान) दिनांक 28/12/2020 आरटीसी, जोधपुर (राज.) में रोप डेमो देते हुए।

"कड़ी मेहनत कभी थकान नहीं लाती है, इससे संतुष्टि मिलती है।"

- नरेंद्र मोदी

विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों से समाचार

आं.सु.अ, माउंट आबू



आंतरिक सुरक्षा अकादमी, केरिपुबल, माउंट आबू में 21 अक्टूबर, 2020 को पुलिस स्मरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर श्री के. थॉमस जोब, उप महानिरीक्षक(प्रशा./प्रशि.), आं.सु.अ, माउंट आबू ने शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की तथा सेरेमोनियल गार्ड द्वारा शहीदों को सेलामी दी एवं आं.सु.अ, के जवानों द्वारा दो मिनट का मौन रखा गया।

आरटीसी, राजगीर



एच0सी0पी0सी0 कोर्स की फील्ड फायरिंग आरटीसी, राजगीर ।

सीटीसी, ग्वालियर



मानवाधिकार कोर्स (ऑनलाइन) समापन समारोह के अवसर पर सीटीसी, ग्वालियर ।

सीटीसी, नीमच



केन्द्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, नीमच ने 61वां स्थापना दिवस दिनांक 01/12/2020 को मनाया गया। स्थापना दिवस के अवसर पर श्री बी0 एस0 चौहान, महानिरीक्षक / प्राचार्य, सीटीसी नीमच द्वारा सैनिक सम्मेलन लिया गया, जिसमें जवानों एवं संस्थान के कल्याण पर विशेष बल दिया गया। इस अवसर पर संस्थान में विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी एवं जवानों ने उत्साहपूर्व भाग लिया।

आरटीसी, पेरीगम



एच0सी0पी0सी0 कोर्स क्र. सं. - 29 (चरण-II) के समापन समारोह के अवसर पर कोर्स के कार्मिकों के साथ श्री पी. पी. पाउल, उप महानिरीक्षक / प्राचार्य, आरटीसी, पेरीगम।

आरटीसी, अमेठी



आरटीसी, अमेठी में जंगल कैंप सरवाइवल अभियान के दौरान प्रशिक्षु महिला कार्मिक।

“सफलता का इंसान बने बिना, मूल्य का इंसान बनने की कोशिश करें।” - अल्बर्ट आइंस्टीन

पुलिस स्मरण दिवस

आं.सु. अ., माउंट आबू



सीटीसी, नीमच



सीआईएटी स्कूल, शिवपुरी



सीटीसी, ग्वालियर



आरटीसी, श्रीनगर



आरटीसी, पेरींगम



राष्ट्रीय एकता दिवस / अन्य कार्यक्रम की गतिविधियाँ

आं. सु. अ., माउंट आबू



सीटीसी, ग्वालियर



आरटीसी, जोधपुर



आरटीसी, राजगीर



सीटीसी, नीमच



सीटीसी, ग्वालियर



“मन की ऊर्जा जीवन का सार है।”

- अरस्तू

सर्वोत्तम अभ्यास

आंसुअ, माउंट आबू

- क. देश में कोविड-19 महामारी के बीच ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की निरंतरता में, आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू ने स्टाफ अधिकारी कोर्स (वरिष्ठ स्तर) क्र.सं. 14 (ऑनलाइन) दिनांक 02 से 07 नवंबर, 2020 और नव पदोन्नत सहायक कमांडेंट (एनपीएसी) रिफ्रेशर कोर्स क्र. सं. 45 (ऑनलाइन) दिनांक 09 नवंबर से 01 दिसंबर, 2020 तक आयोजित किया गया।
- ख. पूरे देश से कुल 90 केरिपुबल के अधिकारियों ने इन पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन भाग लिया।
- ग. आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू के निदेशक के नेतृत्व में, विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ताओं जैसे श्री एम.एल. कुमावत, भापुसे, पूर्व महानिदेशक, बीएसएफ, श्री ए. एस. राठौड़, पूर्व महानिरीक्षक, केरिपुबल, श्री एल.एन. मिश्रा, उप महानिरीक्षक, समूह केंद्र, बिलासपुर, श्री के. एम. यादव, उप महानिरीक्षक, समूह केंद्र गाँधीनगर, श्री मनोज ध्यानी, उप महानिरीक्षक(भर्ती) महानिदेशालय, ब्रिगेडियर गुरुगोपाल सिंह, उप महानिरीक्षक(इंजी.), वर्क्स महानिदेशालय, श्री बी.सी. पात्रा, कमांडेंट, छत्तीसगढ़ सेक्टर, डॉ. आर. के. चौबीसा, प्रोफेसर पब्लिक प्रशासन, डॉ. वी. वी. सिंह, निदेशक, किबुत्ज़, श्री रक्षित टंडन, साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट, डॉ. विक्रान्त सिंह तोमर, निदेशक, यूएमएस, इंडिया, और सुश्री कमलजीत कौर संधू, डिप्टी एडिटर, इंडिया टुडे ने आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू संकाय के साथ देश के विभिन्न हिस्सों से ऑनलाइन व्याख्यान दिए और प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया।
- घ. सभी प्रतिभागियों को कोर्स समाप्ति के उपरांत ई-प्रमाण-पत्र भेजकर सम्मानित किया गया।

सीटीसी, ग्वालियर

नवाचार जो प्रशिक्षक अपनी कक्षाओं को अधिक व्यस्त बनाने के लिए उपयोग कर सकते हैं:-

- क. आज की बढ़ती वैश्वीकृत दुनिया में कक्षा शिक्षाविदों से परे सीखने और शिक्षा को एक समग्र अनुभव बनाना महत्वपूर्ण है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय स्कूल छात्रों को सर्वांगीण विकास और वृद्धि प्रदान करने के लिए कक्षाओं में विभिन्न नवाचारों की शुरुआत कर रहे हैं।
- ख. अध्ययनकक्ष वास्तविक शिक्षा का सच्चा निर्माता होता है जो ग्रीन हाउस प्रभाव की प्रशिक्षणार्थियों से प्रतिभा और सर्जनशीलता का पोषक प्रदान करता है। एक शिक्षक और छात्रों के बीच की गतिशीलता कक्षा के सार को परिभाषित करती है। एक महान शिक्षक प्रशिक्षुओं में बदलाव ला सकते हैं और सही सिखलाई कि ओर ले जा सकते हैं, उनकी शंकाओं का जवाब दे सकते हैं और जिज्ञासा और अन्तरक्रियाशीलता का माहौल पैदा कर सकते हैं। इसलिए, सीखने के अनुभव का अनुकूलन करने के लिए, भारत में स्कूल और कॉलेज नवीन विधियों को अपनाने, नवीनतम शैक्षिक प्रौद्योगिकी स्थापित करने और शिक्षकों को पहले से अधिक रचनात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास रहे हैं।
- ग. भारत में कई शिक्षण संस्थानों में छात्रों के सीखने और समझने को बढ़ावा देने के लिए एवी-सुसज्जित क्लासरूम या वेन्यू हैं। शिक्षक स्मार्ट-बोर्ड की मदद से जटिल समीकरणों के चित्रमय प्रतिनिधित्व के माध्यम से भौतिकी / गणित / रसायन विज्ञान जैसे कठिन विषय की व्याख्या करते हैं। भाषा सीखने के लिए, ऑडियो-विजुअल उपकरण एक आवश्यक उपकरण है। शिक्षक सुनने, बोलने और हिस्टेरिक्स कौशल को सुविधाजनक बनाने के लिए पुरस्कार विजेता फिल्मों, नाटकों और महान मौखिक, दोनों अंग्रेजी, या लक्ष्य भाषा के भाषणों को जोड़ सकते हैं। यहाँ कुछ नवीन तकनीकों की झलक है, जो शिक्षक शिक्षण को प्रभावी एवं आकर्षक बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

फ्लिप पद्धति या कक्षा:-

- क. यह तकनीक है, बस, छात्रों के प्रति सीखने की जिम्मेदारी को रोल करना और उन्हें सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना। एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (SPJIMR) और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (ISB) जैसे बी-स्कूल भारत में फ्लिप क्लास का नेतृत्व कर रहे हैं। यहाँ, शिक्षक ईमेल या इंटरनेट के माध्यम से संसाधन या सामग्री प्रदाताओं की भूमिका पर फिर से आरोप लगाते हैं, जबकि छात्र अवधारणाओं को इकट्ठा करने, ज्ञान के निर्माण, और ड्राइंग inferences का केंद्र चरण लेते हैं।
- ख. हालांकि, दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शिक्षक छात्रों की भागीदारी, गंभीरता और समग्र सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दिए गए विषय पर एक चर्चा सत्र के साथ इसका पालन करते हैं। चर्चा के अलावा, समूह प्रस्तुतियाँ, वाद-विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ भी होती हैं।

निरंतर और कभी न समाप्त होने वाले आत्म-सुधार के आदी बनें" - एंथनी जे. डी. एंजेलो

सर्वोत्तम अभ्यास

सीआईएटी स्कूल, शिवपुरी

- क. प्रशिक्षण पद्धति का निर्धारण सूचना तथा मनोरंजन के मिश्रण से तैयार किया गया जिसमें ऑनलाइन विडियो तथा डिजिटल/जियोग्राफिकल डाटा शामिल है।
- ख. प्रत्येक प्रशिक्षु का प्रवेश स्तर निर्धारण शारीरिक और मानसिक रूप से बहुत सावधानी से किया जाता है।
- ग. प्रत्येक शिक्षक की करीबी भागीदारी के माध्यम से प्रशिक्षु का कमजोर वर्ग को चुनता है, कि उनकी भागीदारी विषय से संबंधित है, या नहीं।
- घ. प्रत्येक शिक्षकों को विषय से संबंधित बेहतर समझ के लिए प्रशिक्षकों द्वारा निर्देशित किया जाता है।
- ङ. प्रत्येक शिक्षक अपने मूल्यवान समय और ऊर्जा के माध्यम से, अतिरिक्त कक्षाओं में कमजोर प्रशिक्षुओं को पढ़ाते हैं।

आरटीसी, पेरीगम

- क. साप्ताहिक विंग के तीन सर्वश्रेष्ठ चयनित स्क्वाड द्वारा ध्वजारोहण।
- ख. ताज़ा और समग्र मनोरंजन प्रदान करने के लिए प्रत्येक शनिवार को फिल्मों के बाद केस स्टडीज पर अध्ययन किया जाता है।
- ग. "व्यावसायिकता", "देश भक्ति", "सेवा पर गर्व", "निष्ठा", "भक्ति भाव और अनुशासन", 3पी और 3डी के मूल्यों को बढ़ाएँ।
- घ. निबंध और कविता प्रतियोगिताओं की व्यवस्था करके लेखन कौशल का विकास।
- ङ. सांस्कृतिक धरोहरों और आसपास के क्षेत्रों के अन्य पहलुओं के बारे में प्रशिक्षुओं को जानकारी देने के लिए ऐतिहासिक और पर्यटक महत्व के स्थानों का दौरा करवाया गया।
- च. झुककर दोड़ने का अभ्यास (नक्सल वीडियो से अपनाया गया)।
- छ. नवआरक्षकों के धीरज बढ़ाने के लिए पीटी कक्षाओं के दौरान सर्किट का प्रशिक्षण।
- ज. प्रशासनिक कार्यालय में अधिकारियों और जवानों ने ईमानदारी और समय की पाबंदी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प लिया।
- झ. प्रशिक्षण में प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित प्रशिक्षक बनाया जाता है, ताकि वे प्रशिक्षुओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करके अपने ज्ञान को अन्य प्रशिक्षकों के साथ साझा करें।
- ञ. वर्ष 2020 का विषय क्या नैतिकता हमारी पहचान है, नैतिक रूप से अच्छा होने और न करने का मुख्य उद्देश्य है, जो गलत है उसे न करने के लिए।

"एक महान शिक्षक में निर्जिव और अमूर्त को परिवर्तित करने की क्षमता है एतएवं छात्र को सही शिक्षा, उनकी शंकाओं का उत्तर दे सकते हैं तथा जिज्ञासा और अन्तरक्रियाशीलता का माहौल पैदा कर सकते हैं।"

- जॉन डूई